Total Pages : 3 Roll No. .....

DVK-102

कर्मकाण्ड का वैज्ञानिक स्वरूप, नित्यकर्म व देवपूजन

वैदिक कर्मकाण्ड में डिप्लोमा (DVK-17)

सत्र 2019

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (3×15=45)

1. प्रातः काल में किए जाने वाले स्मरणों का श्लोक सहित वर्णन कीजिए।

2. षोडशोपचार पूजन का मन्त्रवत उल्लेख कीजिए।

3. शंख तथा तिलक व घंटा पूजन विधान का वर्णन कीजिए।

4. गणेश पूजन का विधिवत उल्लेख कीजिए।

5. षोडशमातृका पूजन का क्या विधान है? वर्णन कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (5×7=35)

1. त्रिकाल सन्ध्या का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

2. गौरी का पूजन किस विधि से किया जायेगा? वर्णन कीजिए।

3. उद्कुम्भ कलश पूजन का वर्णन कीजिए।

4. विष्णु तथा दुर्गा के पूजन का उल्लेख कीजिए।

5. संक्षेप में महालक्ष्मी पूजन का वर्णन कीजिए।

6. सत्यनारायण कथा का महत्त्व अपने शब्दों में लिखिए।

7. व्रत विधान पर टिप्पणी लिखिए।

8. देवपूजन के क्रम को आप किस प्रकार व्यवस्थित करते हैं? उल्लेख कीजिए।